संकलित परीक्षा - I, 2015

कक्षा - IX
हिन्दी 'ब'

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।
(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

गांधी ने खुद रूसी लेखक लियो टॉल्स्टॉय और अमेरिकी हेनरी डेविड थोरो से प्रेरणा पाई थी, जिन्हें भागे हुए गुलाम से संबंध कानूनों के 'शांतिपूर्ण विरोध' के कारण मैसाच्यूसेट्स जेल में कैद रहना पड़ा था। सच तो यह है कि गांधी ने 'सविनय अवज्ञा' का मुहावरा थोरो के निबंध 'सिविल डिसओबिडिएंस' से ही लिया था।

खुद थोरो उपनिषदों के रचनाकार भारतीय आरण्यक ऋषियों के लेखन से प्रभावित थे। इन प्राचीन हिंदू ग्रंथों का अंग्रेज़ी अनुवाद 19 वीं सदी के प्रारंभिक दशकों में हो चुका था। हारवर्ड कॉलेज के पुस्तकालय में थोरो ने इन्हें पढ़ा और इन पर मनन किया। इस प्रकार बहिष्कार और अहिंसक विरोध का यह राजनीतिक औज़ार दक्षिण एशिया, दक्षिण अफ्रीका और अलाबामा राज्यों में दिलों को मज़बूत बनाता, मनों को प्रभावित करता, समुद्रों के आर-पार आता-जाता रहा है।

(i) कौन-सा कथन सत्य है ? [1]

(क) गांधी जी ने लिंकन और बुश से प्रेरणा पाई थी।
(ख) गांधी जी ने किंग लूथर और हेंगरी से प्रेरणा पाई थी।
(ग) गांधी जी ने टॉल्स्टॉय और डेविड थोरो से प्रेरणा पाई थी।
(घ) गांधी जी ने टॉल्स्टॉय और एडीसन से प्रेरणा पाई थी।

(ii) टॉल्स्टॉय और थोरो को कहाँ रहना पड़ा था ? [1]

(क) मैसाच्यूसेट्स जेल
(ख) अमेरिकी जेल
(ग) सिविल जेल
(घ) नैनी जेल

(iii) गांधी जी ने 'सविनय अवज्ञा' का मुहावरा कहाँ से लिया था ? [1]

(iv) प्राचीन हिंदू ग्रंथों का अंग्रेज़ी अनुवाद किस सदी के प्रारंभिक दशकों में हो चुका था ? [1]

(v) थोरो ने हिंदू-ग्रंथों का अंग्रेज़ी अनुवाद कहाँ के पुस्तकालय में पढ़ा था ? [1]

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

अक्टूबर के मध्य तक मैं भूतपूर्व सोवियत गणतंत्रों कज़ाकिस्तान, किरगिज़िस्तान, तुर्कमेनिस्तान और ताजिकिस्तान के तूफ़ानी दौरे पर निकल पड़ा था। इसके साथ ही मुझे अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान भी जाना था। उसके बाद मैं नेपाल, श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश गया। अंत में पश्चिम बंगाल में विष्णुपुर और सिक्किम में गंगटोक परियोजनाओं का दस्तावेज़ीकरण करके मैं दिल्ली लौट आया।

इस दौरान मैं रेशम मार्ग के अधबिसरे खंडहर ढूँढ़ रहे एक संरक्षण वास्तुविद और दो पुरातत्व शास्त्रियों के साथ कज़ाकिस्तान में हज़ारों किलोमीटर की यात्रा कर चुका था, काठमांडो के दरबार चौक में हाल ही में पुनर्स्थापित काल भैरव की प्रतिमा की पूजा करते हिंदू भक्तों के बीच घूम चुका था और बांग्लादेश के ग्रामीण अंचल में देर रात बाउल गायकों को ईश्वर के विरह और मिलन के गीत गाते सुन चुका था।

(i) मैं भूतपर्व सोवियत गणतंत्रों कज़ाकिस्तान, किरगिज़िस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान के ········ दौरे पर निकल पड़ा था। –उपयुक्त शब्द द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। [1]

(ii) नेपाल, श्रीलंका, मालदीव के बाद लेखक कहाँ गया ? [1]

(iii) दस्तावेज़ीकरण करके लेखक कहाँ लौट आया था ? [1]

(क) कलकत्ता
(ख) बंगलौर
(ग) दिल्ली
(घ) मद्रास

(iv) लेखक किस प्रतिमा की पूजा करते हुए हिंदू भक्तों के बीच घूम चुका था ? [1]

(क) काल भैरव
(ख) लाल भैरव
(ग) काली भैरव
(घ) भैरो भैरव

(v) कौन-सा कथन सत्य है ? [1]

(क) बाउल गायक ईश्वर की भक्ति के गीत गाते हैं।
(ख) बाउल गायक ईश्वर के विरह और मिलन के गीत गाते हैं।
(ग) बाउल गायक ईश्वर से दूर जाने के गीत गाते हैं।
(घ) बाउल गायक ईश्वर की अनुभूति के गीत गाते हैं।

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

महामहिम गिरिराज
टिके हैं नित ऊपर ही ऊपर
उन्हें कहाँ चिंतन-स्मरण
कि क्या हो रहा है
नीचे–हमारी भू पर
वह देश नीचे है अग्निबाण
धूप से छलका
प्रातः से मध्यरात्रि तक
ज्वालामुखी ज्योतिष्मान्
घी की बाती वहाँ
तिमिरावृत्त कुटीरों में
झिलमिलाती
माटी के कलश वहाँ
शीतल करते
आग बरसती लू की ज्वालाओं से
उत्तप्त माता धरती
मैदान के खेत-खेत
हैं वहाँ सतृष्ण
पर पसीने पसीने प्राणियों की
धमनियों में
सप्रवाह चिर-तरुण श्री कृष्ण

(*i*) 'गिरिराज' को कवि ने क्या कहा है ? [1]

(*ii*) प्रातः से मध्यरात्रि तक ·········· ज्योतिष्मान्–कविता की पंक्ति पूरी करके लिखिए। [1]

(*iii*) कौन-सा कथन सत्य है ? [1]

(क) लू की ज्वालाओं से धरती उत्तप्त होती है
(ख) लू की ज्वालाओं से धरती उत्तप्त नहीं होती
(ग) लू की ज्वालाओं से धरती शांत होती है।
(घ) लू की ज्वालाओं से धरती रोती है।

(*iv*) 'गिरिराज' के मैदान के खेत-खेत कैसे हैं ? [1]

(क) तृष्णी
(ख) तृषा
(ग) तुषार
(घ) सतृष्ण

(*v*) **चिर-तरुण किसे कहा गया है ?** [1]

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

तुम मुझे बता दो एक बार,
इस जीवन का क्यों यह दुलार ?
वह सुंदर शैशव स्वर्ण-गान,
चिर-शांति और चिर-सुख अजान,
चुपके से बीत गए वे दिन
भर गई हृदय में नव-पुकार!
यौवन की नित नूतन उमंग,
जिसमें अगणित हैं राग-रंग,
प्रियतम के चरणों के समीप
मिलता जीवन का पुरस्कार!
मैं आज बनी माता महान,
है धन्य जन्म, है धन्य प्राण,

शिशु के सुख-दुख से सुखी-दुखी
मेरे प्राणों के तार-तार!
वह तृप्ति और वह शांति कहाँ ?
मैं देख रही हूँ भ्रांति यहाँ,
तुम मुझे बता दो हे उदार!
[illegible] जीवन का सत्य सार!

(i) काव्यांश में कवि ने शैशव की कौन-सी विशेषता कही है ? [1]

(ii) यौवन की नूतन उमंग में कितने राग-रंग हैं ? [1]

(iii) प्रियतम के चरणों में जीवन का क्या मिलता है ? [1]

(iv) कवि के प्राणों के तार-तार किससे प्रभावित होते हैं ? सही विकल्प छाँटिए– [1]

(क) शिशु के जन्म से (ख) शिशु के रोने से
(ग) शिशु के सुख-दुख से (घ) शिशु के सोने से

(v) शाश्वत जीवन का सार क्या है ? [1]

(क) सत्य (ख) झूठ
(ग) ईमान (घ) मज़हब

खंड–ख

5. (क) वर्ण-विच्छेद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। [2]

(ख) उपयुक्त स्थान पर अनुनासिक चिह्नों का प्रयोग कीजिए– [1]
हस, चाद।

6. (क) उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए– [1]
सन्ध्या, अङ्क।

(ख) उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए– [1]
काफी, तेज।

(ग) मूल शब्द व उपसर्ग को अलग-अलग करके लिखिए– [2]
अपविन्न, दुरुपयोग।

(घ) मूल शब्द व प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखिए– [1]
चतुराई प्रसन्नता।

7. (क) संधि कीजिए– [2]
महा + आत्मा, सप्त + ऋषि, अति + अधिक, भौ + उक।

(ख) संधि-विच्छेद कीजिए– [2]
यद्यपि, दुशासन, जगदीश, सभाषण।

8. (क) निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए– [1]
दीपक ने कहा भगवान तुझे सदा सुखी रखे

(ख) निम्नलिखित विराम चिह्नों के नाम लिखिए– [2]
–, ०, " " , ^

खंड–ग

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

(क) 'धूल' पाठ में लेखक ने नगरीय सभ्यता पर क्या व्यंग्य किया है? [2]

(ख) अपने लड़के की मृत्यु के दूसरे दिन ही बुढ़िया खरबूज़े बेचने क्यों चल पड़ी? [2]

(ग) साउथ कोल कैंप पहुँचकर लेखिका ने अगले दिन की महत्वपूर्ण चढ़ाई की तैयारी कैसे शुरू की? [1]

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए– [5]

(क) 'तुम कब जाओगे, अतिथि' पाठ के माध्यम से लेखक ने हमें क्या प्रेरणा दी है?

(ख) पास-पड़ोस की दुकानों से पूछने पर लेखक को क्या पता चला? 'दुख का अधिकार' पाठ के आधार पर बताइए।

11. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

हिंदी-कविता की सबसे सुंदर पंक्तियों में से एक यह है–'जिसके कारण धूलि भरे हीरे कहलाए।' हीरे के प्रेमी तो शायद उसे साफ़-सुथरा, खरादा हुआ, आँखों में चकाचौंध पैदा करता हुआ देखना पसंद करेंगे, परंतु हीरे से भी कीमती जिस नयन-तारे का जिक्र इस पंक्ति में किया गया है, वह धूलि भरा ही अच्छा लगता है। जिसका बचपन गाँव के गलियारे की धूल में बीता हो, वह इस धूल के बिना किसी शिशु की कल्पना कर ही नहीं सकता। फूल के ऊपर जो रेणु उसका शृंगार बनती है, वही धूल शिशु के मुँह पर उसकी सहज पार्थिवता को निखार देती है।

(क) 'धूल भरे हीरे' से क्या तात्पर्य है ? [1]

(ख) धूल के बिना शिशु की कल्पना क्यों नहीं की जा सकती ? [2]

(ग) शिशु के मुँह पर उसकी सहज पार्थिवता को कौन निखारता है ? [1]

(घ) 'धूल चटाना' मुहावरे से वाक्य बनाइए। [1]

अथवा

प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है। वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाज़े खोल देती है, परंतु कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम ज़रा नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं। उस समय यह पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देती, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है।

(क) मनुष्य की पोशाक क्या करती है ?

(ख) पोशाक की समाज में क्या भूमिका है ? [1]

(ग) खास परिस्थितियों में पोशाक क्या करती है ? [2]

(घ) पोशाक बंधन और अड़चन कब बन जाती है ? [1]

12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– [1]

यां आदमी पै जान को वारे है आदमी [5]
और आदमी पै तेग को मारे है आदमी
पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी
चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी

(क) आदमी की कोई दो नकारात्मक प्रवृत्तियाँ लिखिए।

(ख) आदमी आदमी के लिए समर्पण भाव से क्या कर सकता है ? [2]

(ग) पगड़ी उतारने का क्या आशय है ? [1]

(घ) काव्यांश में प्रयुक्त दो मुहावरे छाँटकर लिखिए। [1]

अथवा [1]

रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय।
सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय ॥
एकै साधे सब सधै, सब साधे सब जाय।
रहिमन मूलहिं सींचिबो, फूलै फलै अघाय ॥

(क) हमें अपनी व्यथा कहाँ पर नहीं प्रकट करनी चाहिए ? [1]

(ख) हमारी व्यथा सुनकर सब लोग हँसते क्यों हैं ? [2]

(ग) दोहों में प्रयुक्त भाषा कौन-सी है ? [1]

(घ) जड़ को सींचने से क्या होता है ? [1]

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए– [5]

(क) रैदास के पदों के माध्यम से हमें क्या संदेश मिलता है?

(ख) 'आदमीनामा' कविता को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है?

*14. लेखिका तथा गिल्लू के आपसी संबंधों से हमें क्या संदेश मिलता है? [5]

अथवा

'गाने के बाद वे तुरंत एक गृहिणी की भूमिका में आ गई और बगैर किसी हिचक के हमारे लिए चाय बनाकर ले आईं'–इन पंक्तियों के माध्यम से गायिका मंजू ऋषिदास के कौन से जीवन मूल्यों का पता चलता है? स्पष्ट करें।

खंड–घ

15. अपनी नानी जी द्वारा जन्मदिन पर भेजे गई शिक्षाप्रद पुस्तकों के सुंदर उपहार हेतु उन्हें एक धन्यवाद पत्र लिखिए। [5]

अथवा

अपने दादा जी को पत्र लिखकर साक्षरता अभियान में अपने योगदान का वर्णन कीजिए।

16. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए– [5]

(क) पराधीनता–एक अभिशाप
संकेत बिंदु – • पराधीनता का अर्थ • पराधीनता एक अभिशाप • उपसंहार

(ख) जीवन में सत्संगति का महत्व
संकेत बिंदु – • सत्संगति की भूमिका तथा अर्थ • जीवन में सत्संगति का महत्व • जीवन के लिए सत्संगति की आवश्यकता • उपसंहार

(ग) विज्ञापनों का महत्व
संकेत बिंदु – • विज्ञापन का अर्थ • विज्ञापन के साधन • विज्ञापनों का महत्व तथा प्रभाव • उपसंहार

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science
JST

17. नीचे दिए गए चित्र को देखकर अपने विचारों का 20-30 शब्दों में वर्णन कीजिए– [5]

18. 'भयंकर गर्मी' पर दो राहगीरों के बीच हुए संवाद को 50 शब्दों में लिखिए। [5]

19. आपके विद्यालय की वार्षिक पत्रिका छपने वाली है। इसके लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। [5]

http://jsuniltutorial.weebly.com/